कहानी

सच्ची दोस्ती ने बदली पूरे जंगल की सोच

एक घने जंगल में एक शक्तिशाली शेर रहता था। वह जंगल का राजा था. उसी जंगल में एक छोटा-सा चुहा भी रहता था. आकार में छोटा होने के बावजूद चुहा बहुत बुद्धिमान और साहसी था. धीरे-धीरे शेर और चुहे में अच्छी दोस्ती हो गई. एक दिन शेर एक पेड़ के नीचे आराम कर रहा था. तभी चुहे ने आकर उसके पैर में हल्का-सा काट लिया.

शेर दर्द से उछल पड़ा और गुस्से में गरजते हुए बोला, तेरी मौत आई है क्या, जंगल के राजा को काटने की हिम्मत कैसे हुई. चुहा मुस्कुराकर बोला, अगर दम है तो मुझे पकड़कर दिखाओ. शेर गुस्से में उसके पीछे दौड़ पड़ा. चुहा उसे जंगल में काफी दूर तक दौड़ाता रहा. आखिरकार वह रुका और बोला, शेर भाई, अब रुक जाइए. शेर गरजकर बोला, अब क्यों रुका. सारी हेकड़ी निकल गई क्या. चुहा शांत स्वर में बोला, अगर मैं आपको नहीं काटता, तो आप मेरे पीछे नहीं आते. और अगर मेरे पीछे नहीं आते, तो आज आप बड़ी मुसीबत में फंस जाते. कैसी मुसीबत, शेर ने पूछा.

चूहे ने आगे इशारा करते हुए कहा, वह देखिए. शेर ने ध्यान से देखा. कुछ दूरी पर सर्कस वाले एक बड़ा जाल बिछाकर बैठे थे. वे शेर को पकड़ने की तैयारी कर रहे थे. यह देखकर शेर हैरान रह गया. चुहे भाई, तुमने अपनी जान जोखिम में डालकर मेरी जान बचाई है. आज से तुम मेरे सबसे अच्छे दोस्त हो, शेर ने कहा. चुहा हंसते हुए बोला, ठीक है, लेकिन एक शर्त है. यह बात किसी को मत बताना, नहीं तो सारे जानवर आपकी हंसी उड़ाएंगे कि एक छोटे चुहे ने आपकी जान बचाई. दोनों हंस पड़े. शेर ने उन शिकारियों को वहां से भगा दिया और उनकी दोस्ती और भी मजबूत हो गई.

कुछ दिनों बाद शेर और चुहा जंगल में घूमने निकले. रास्ते में एक बिल्ली ने चुहे को देख लिया. चुहा डरकर शेर के पैरों के बीच चलने लगा. बिल्ली भी उनके पीछे-पीछे चलने लगी. वह सोच रही थी कि मौका मिलते ही चुहे को खा जाएगी. बिल्ली के पीछे एक कुत्ता चल पड़ा. वह सोच रहा था कि बिल्ली को पकड़ लेगा. कुत्ते को देखकर एक सियार भी पीछे हो लिया. उसके पीछे एक मगरमच्छ लग गया. फिर एक हाथी ने सोचा कि शायद जंगल में कोई बड़ी सभा होने वाली है, इसलिए वह भी उनके साथ चल पड़ा. धीरे-धीरे पूरे जंगल के जानवर शेर और चुहे के पीछे चलने लगे. काफी दूर चलने के बाद शेर और चुहा नदी किनारे आराम करने बैठ गए. तभी शेर ने पीछे मुड़कर देखा तो हैरान रह गया. वहां जंगल के लगभग सभी जानवर खड़े थे.

शेर ने पूछा, तुम सब हमारे पीछे क्यों आ रहे हो. तब सभी जानवरों ने अपनी-अपनी वजह बताई. किसी को चुहे पर नजर थी, तो कोई किसी और के पीछे चला आया था. उनकी बातें सुनकर शेर और चुहा जोर-जोर से हंसने लगे. शेर ने कहा, तुम सब एक छोटे से चुहे के लिए इतनी बड़ी लाइन लगाकर चले आए! यह चुहा मेरा सबसे प्रिय मित्र है. खबरदार, अगर किसी ने इसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश की.

हाथी बोला, महाराज, हममें से कई तो शाकाहारी हैं. हम तो समझे थे कि कोई सभा होने वाली है. तब शेर ने सभी को बताया कि कैसे इस छोटे से चुहे ने उसकी जान बचाई थी. शेर बोला, किसी को भी उसके आकार या ताकत से नहीं आंकना चाहिए. कभी-कभी सबसे छोटा जीव भी सबसे बड़ा काम कर सकता है.

शेर की बात सुनकर सभी जानवरों ने चुहे की प्रशंसा की. उस दिन जंगल में एक महत्वपूर्ण फैसला लिया गया. सभी जानवरों ने मिलकर वचन दिया कि वे एक-दूसरे की मदद करेंगे, किसी को छोटा नहीं समझेंगे और मिलजुलकर रहेंगे. उस दिन के बाद जंगल में प्रेम, सहयोग और मित्रता का नया युग शुरू हो गया.

सीख

किसी को छोटा या कमजोर नहीं समझना चाहिए. सच्ची दोस्ती, सहयोग और एक-दूसरे की मदद करने से बड़ी से बड़ी मुश्किल भी आसान हो जाती है.

बिंदु मिलाओ

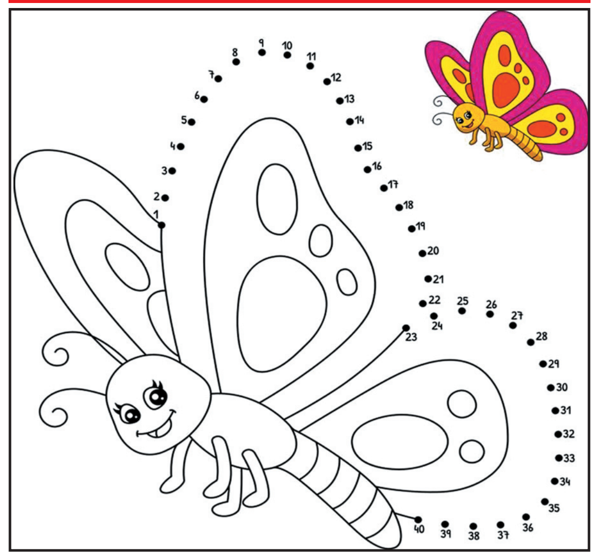

रंग भरो

प्रेरक प्रसंग

साधारण बालक से राष्ट्रपति बने एपीजे अब्दुल कलाम

भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम का जीवन प्रेरणा का अनमोल स्रोत है. उनका जन्म 15 अक्टूबर 1931 को रामेस्वरम के एक साधारण परिवार में हुआ था. परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी, लेकिन उनके सपने बहुत बड़े थे.

बचपन में कलाम जी पढ़ाई के साथ-साथ अपने परिवार की मदद भी करते थे. वे सुबह जल्दी उठकर अखबार बांटते थे और फिर स्कूल जाते थे. कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी. उनका मानना था कि यदि मन में दृढ़ संकल्प हो, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता.

स्कूल में उन्हें विज्ञान विषय बहुत पसंद था. वे घंटों नई-नई चीजों के बारे में पढ़ते और सोचते रहते थे. उनकी लगन और मेहनत ने उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी. पढ़ाई पूरी करने के बाद

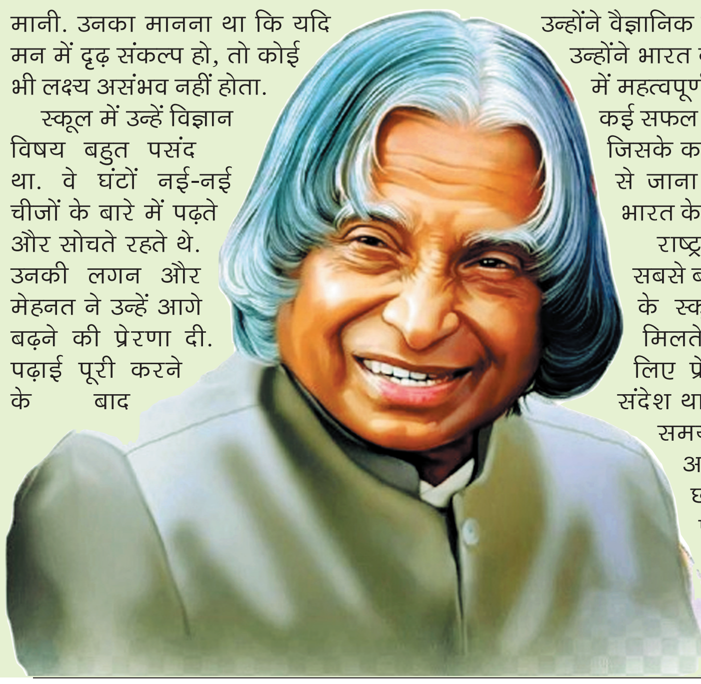

उन्होंने वैज्ञानिक बनने का सपना पूरा किया. उन्होंने भारत के अंतरिक्ष और रक्षा कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण योगदान दिया. उनके नेतृत्व में कई सफल मिसाइल परियोजनाएं पूरी हुईं, जिसके कारण उन्हें मिसाइल मैन के नाम से जाना जाने लगा. साल 2002 में वे भारत के राष्ट्रपति बने.

राष्ट्रपति बनने के बाद भी उनका सबसे बड़ा प्रेम बच्चों से ही था. वे देशभर के स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों से मिलते और उन्हें बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करते थे. उनका प्रसिद्ध संदेश था सपना वह नहीं जो आप सोते समय देखते हैं, सपना वह है जो आपको सोने न दे. एक बार एक छात्र ने उनसे सफलता का रहस्य पूछा. कलाम जी ने मुस्कुराकर कहा, सपने देखो, कड़ी मेहनत करो और कभी हार मत मानो. यही उनकी सफलता का मूल मंत्र था.

दुनिया का सबसे बड़ा पक्षी शुतुरमुर्ग

क्या आप जानते हैं कि शुतुरमुर्ग दुनिया का सबसे बड़ा जीवित पक्षी है. यह पक्षी इतना बड़ा होता है कि इसकी ऊंचाई लगभग 9 फीट तक और वजन 150 किलोग्राम से भी अधिक हो सकता है. शुतुरमुर्ग मुख्य रूप से अफ्रीका के घास के मैदानों और रेगिस्तानी क्षेत्रों में पाया जाता है.

सबसे हैरानी की बात यह है कि इतना बड़ा पक्षी होने के बावजूद शुतुरमुर्ग उड़ नहीं सकता. इसके पंख छोटे होते हैं, लेकिन ये दौड़ने में बेहद तेज होता है. शुतुरमुर्ग 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से दौड़ सकता है, जो इसे दुनिया के सबसे तेज दौड़ने वाले पक्षियों में शामिल करता है.

शुतुरमुर्ग की आंखें भी बहुत खास होती हैं. इसकी आंखें उसके दिमाग से भी बड़ी होती हैं, जिससे वह दूर से ही खतरे को पहचान लेता है. इसके मजबूत पैर किसी भी शिकारी से बचाव करने में मदद करते हैं. शुतुरमुर्ग का अंडा दुनिया का सबसे बड़ा पक्षी अंडा माना जाता है. एक अंडे का वजन लगभग 1.5 किलोग्राम तक हो सकता है. एक अंडे से कई लोगों का नाश्ता तैयार हो सकता है.

भूल भुलैया

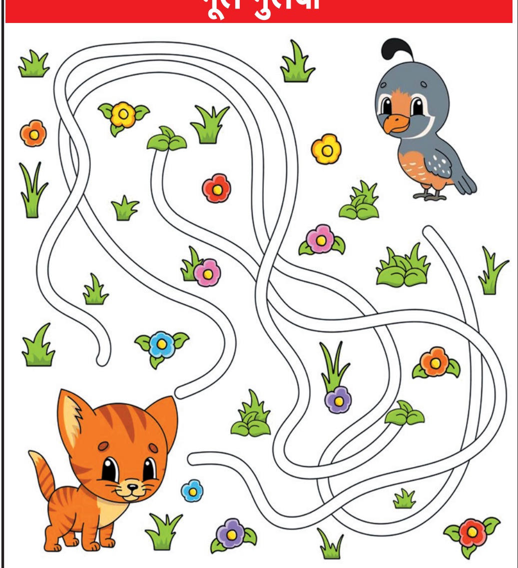

जानकारी

ऑक्टोपस : समुद्र का अद्भुत जीव

क्या तुम जानते हो कि ऑक्टोपस समुद्र में रहने वाले सबसे बुद्धिमान जीवों में से एक है. यह एक ऐसा जीव है जो अपनी अनोखी क्षमताओं के कारण बच्चों और वैज्ञानिकों दोनों को हैरान कर देता है. ऑक्टोपस के आठ लंबे हाथ होते हैं, जिन्हें टेंटेकल्स कहा जाता है. इन हाथों पर छोटे-छोटे सक्शन कप लगे होते हैं, जिनकी मदद से वह किसी भी वस्तु को मजबूती से पकड़ सकता है. ऑक्टोपस का शरीर बहुत नरम होता है और उसमें कोई हड्डी नहीं होती.

इसी वजह से वह छोटी-सी दरार से भी निकल सकता है. ऑक्टोपस की सबसे खास बात यह है कि वह अपना रंग और आकार बदल सकता है. जब उसे किसी शिकारी से खतरा महसूस होता है, तो वह अपने आसपास के वातावरण जैसा रंग धारण कर लेता है. इससे वह आसानी से छिप जाता है. क्या तुम जानते हो कि ऑक्टोपस के तीन दिल होते हैं. इनमें से दो दिल उसके गलफड़ों तक रक्त पहुंचाते हैं, जबकि तीसरा दिल पूरे शरीर में रक्त का संचार करता है. उसका खून लाल नहीं, बल्कि नीले रंग का होता है.ऑक्टोपस बहुत चतुर होता है. वैज्ञानिकों ने पाया है कि वह समस्याओं को हल कर सकता है, भूलभुलैया से रास्ता खोज सकता है और यहां तक कि ढक्कन वाले जार भी खोल सकता है.

उसकी याददाश्त भी काफी अच्छी होती है. दुनिया के महासागरों में ऑक्टोपस की लगभग 300 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं. कुछ ऑक्टोपस छोटे होते हैं, जबकि कुछ का आकार कई मीटर तक हो सकता है. ऑक्टोपस हमें सिखाता है कि बुद्धिमानी, अनुकूलन क्षमता और साहस किसी भी चुनौती का सामना करने में मदद करते हैं. यही कारण है कि यह समुद्र के सबसे रोचक जीवों में गिना जाता है.

कविता

चंदा मामा आओ ना

चंदा मामा आओ ना,
मीठे सपने लाओ ना
टिमटिम करते तारों संग,
सुंदर गीत सुनाओ ना

नीले अम्बर की सैर करा,
प्यारी बातें बतलाओ ना

दूध-मलाई लेकर आना,
हमको भी खिलाओ ना
चंदा मामा आओ ना,
प्यारी नींद सुलाओ ना

बूझो तो जानें

- मैं चलता हूँ बिना पैरों के,
  बोलता हूँ बिना जुबान,
  दूर-दूर तक खबर पहुँचाऊँ,
  बताओ मेरा क्या है नाम
  उत्तर - टेलीफोन
- दिन में सोता, रात को जागे,
  आँखें इसकी बड़ी निराली,
  चुपचाप शिकार को पकड़े,
  बताओ कौन है वह मतवाली
  उत्तर - उल्लू
- ना मैं जीव, ना मैं जानवर,
  फिर भी खाता रहता हूँ,
  जितना दो उतना खाऊँ,
  बताओ मैं क्या कहलाता हूँ
  उत्तर - आग
- हरा-भरा मेरा है घर, भीतर छुपे हैं मोती,
  छिलका हटाओ, स्वाद चखो,
  बताओ मैं कौन सी होती
  उत्तर - मटर

हंसी-ठिठोली

- टीचर-स्टूडेंट मजाक
  टीचर: बताओ बच्चों, अगर तुम्हारे पास 12 टॉफी हैं और मैं 4 ले लूं, तो तुम्हारे पास कितनी बचेंगी? सभी बच्चे हिसाब लगाने लगे. पप्पू बोला: सर, 12 ही रहेंगी
  टीचर (हैरान होकर): वो कैसे
  पप्पू: सर, मैं आपको दूंगा ही नहीं
  पूरी क्लास हंसने लगी
- टीचर: पिंकी, बताओ अगर 6 आम हैं और 3 दोस्त आ जाएं, तो क्या करोगी
  पिंकी: सर, मैं जल्दी से आम खा लूंगी
  टीचर: क्यों
  पिंकी: सर, शेयर करने से पहले खत्म करना जरूरी है
- टीचर: बताओ, ऐसा कौन सा फल है जो कभी खराब नहीं होता
  सोनू: सर, 'फल' नहीं, 'फेल' होता है
  क्लास ठहाकों से गूंज उठी.

बच्चों अपनी कहानियां, कविताएं, पेंटिंग्स , लेख, रचनाएं आदि bhopalnav@gmail.com **पर मेल करें .**

अंतर ढूंढो

नीचे दिये गये दोनों चित्र देखने में समान हैं लेकिन उनमें कुछ अंतर हैं जिन्हें आप ढूंढकर निकालें .

उत्तर- 1. बाल्टी का रंग अलग है, 2. केकड़े का आकार, 3. सीप अलग आकार का है, 4. स्टारफिश की स्थिति बदली है, 5. पेड़ की पत्तियां. 6. लड़की के कपड़ों में अंतर